

Opening of Post Office at Kota and Basot in Almora

*94. SHRI RAJ NATH SINGH:
Will the Minister of COMMUNICATIONS be pleased to state:

(a) whether it is a fact that residents of Basot have represented for opening a sub-post office at Basot in Almora;

(b) whether it is also a fact that they have also requested for opening of branch post office at Kota in Almora; and

(c) if so, by when a sub-post office at Basot and branch post office at Kota are likely to be opened?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF COMMUNICATIONS (SHRI SUKH RAM):
(a) and (b) Yes, Sir.

(c) The proposals for upgradation of Basot to a departmental sub post office has not been found fulfilling the norms laid down by the Government.

The proposal for opening of a post office in village Kota is under examination and will be opened subject to fulfilment of norms and availability of resources.

Regulatory Body for Telecom Sector

◆95. SHRI NILOTPAL BASU :
SHRI M.A. BABY :

Will the Minister of COMMUNICATIONS be pleased to state :

(a) the specific time schedule for bringing the regulatory body for telecom sector into operation;

(b) whether the body will set standards, issue licences, fix prices, set tech. preconditions and supervise the basic, cellular and V set operators; and

(c) if so, what will be the broad parameters of the body ?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF COMMUNICATIONS (SHRI SUKH RAM)
(a) to oi The matter is under active consideration of the Government.

विभिन्न अभिकरणों से प्राप्त विदेशी ऋण

*96. श्रीमती सुवमा स्वराज :

श्री जयन्त राय :

क्या वित्त मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि पिछले कई वर्षों के दौरान विदेशी ऋण की राशि में निरंतर वृद्धि हो रही है ;

(ख) यदि हां, तो वर्ष 1991-92 1992-93, 1993-94 के दौरान विदेशी ऋण की मात्रा कितनी-कितनी थी ; और

(ग) उक्त अवधि के दौरान सरकार द्वारा व्याज और ऋण की राशि के रूप में किस्तों में प्रतिवर्ष कितनी-कितनी धनराशि का भुगतान किया गया है ?

वित्त मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री एम० वी० चन्द्रशेखर मूर्ति) : (क) जी, नहीं ।

(ख) सरकारी और गैर-सरकारी खातों (अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष से उधारों सहित) तथा विदेशी वाणिज्यिक उधारों पर विदेशी सहायता के रूप में प्राप्त विदेशी ऋणों की कुल राशि 1991-92 में 20,302 करोड़ रुपए, 1992-93 में 17,316 करोड़ रुपए और 1993-94 में 16,561 करोड़ रुपए थी ।

(ग) इन खातों पर भुगतान की वापसी अदावगी और व्याज भुगतान की राशि क्रमशः 1991-92 में 10,431.82 करोड़ रुपए और 5977.00 करोड़ रुपए, 1992-93 में 9770.60 करोड़ रुपए और 7430.61 करोड़ रुपए और 1993-94 में 11,260.48 करोड़ रुपए तथा 7854.61 करोड़ रुपए थी ।